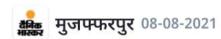
Newspaper Name: Dainik Bhaskar, Muzaffarpur

Date: 08-08-2021





उम्मीद का दूसरा नाम आरएय्

पूसा में कृषि संस्थान के नाम से लोकप्रिय भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान की स्थापना मूल रूप से एक अमेरिकी समाज सेवक मि. हेनरी फिप्स द्वारा दिए गए 30 हजार पाउंड की राशि के सहयोग से वर्ष 1905 में हुई थी। यह संस्थान इम्पीरियल कृषि अनुसंधान संस्थान के नाम से जाना जाता था। वर्ष 1934 में भूकंप के दौरान इस संस्थान के मुख्य भवनों को काफी क्षति पहुंची तथा उसके तत्काल बाद इस संस्थान को नई दिल्ली स्थानांतरित कर दिया गया, जिसे आज भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली (पूसा कैंपस) के नाम से जाना जाता है। वहीं पूसा समस्तीपुर में आज यह डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि के नाम से स्थापित है।



कृषि के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर शोध कर रहा है पूसा विश्वविद्यालय

केंद्रीय विश्वविद्यालय युवाओं को मिल रहा है रोजगार के साथ देश सेवा का भी अवसर

तातिक अधिकारी ही यत्त्वा चाहरे १र अब ऐसा बिल्कुल भी नहीं हैं। चक्त के लाब अब कैरीयर बनाने हा चुवाओं का स्टब्स भी कटलने । हाल के वर्षों में देश के युवा

2016 में मिली विधिवत मान्यता

स्थापना के 36 साल बाद पूसा कृषि विश्वविद्यालय को मिला केंद्रीय दर्जा



विदेशों के छात्र-छात्राएं भी जुड़े हैं

विवि में स्नातक स्तर पर कृषि व उससे जुड़े 10 विषयों की होती है पढ़ाई

सुद्दे 10 दिससों की होती हैं पढ़ाई इस विकारीकार में साजक रहत में सुने से मंदर (9 विकारी को पहुंती होंने का प्रिकारण, इंडिक्स्पर, मंदिर, में सार्थ, प्रोक्षान्य इंडिक्सीय, कार्यक्रमें पहुंती, स्वार्थ, प्रोक्षान्य इंडिक्सीय, कार्यक्रमें पहुंती, स्वार्थ, प्राव्यक्ति इंडिक्सीय, कार्यक्रमें प्राव्यक्ति में स्वार्थ के प्राव्यक्ति कार्यक्रमें से स्वीक्ष्म में सार्थ में सार्थ इंडिक्सीय, कार्यक्रमें कार्यक कार्यक कार्यक में हिल्ला कार्यक में स्वार्थ कार्यक में सार्थ कार्यक में सार्थ कार्यक में सार्थ कार्यक कार्यक कार्यक कार्यक कार्यक में सार्थ कार्यक में सार्थ कार्यक कार्

एग्री जनीलिज्म में कला, मैनेजमेंट, जीव विज्ञान, जनसंचार एवं बिजनेस मैनेजमेंट में ग्रेजुएशन जरूरी

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा व सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करने वाला देश का पहला विवि बना आरएयूँ



राज्य में इस विवि के अधीन कार्यरत हैं 16 केविके, किसानों को दिया जाता है आधुनिक तकनीक से खेती का प्रशिक्षण

(२) दिना आता है आधुनातक के क्रिकेट के किए कि प्रारं के क्रिकेट क्रिकेट के क्षेत्र के क्ष्त्र के





हमें नाज है



Hannage (figure 8 Miner, 2021) 92

दूसरी हरित क्रांति का मुख्य केंद्र बन रहा डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय विश्वविद्यालय पूसा

फसलों की नई और उन्नत किस्म के साथ मौसम के अनुकूल खेती के खोल रहा है द्वार



डॉ. अवनींद्र कुमार झा पूर्व स्वेनियर फेलो, भारतीय झीतहास अनुसंधान परिषद्



केंद्रीय किंब विश्वविद्यालय का दर्जा मिलने के बाद 2017-20 तक के प्रमुख शोध



5ॉ. आरसी श्रीटास्तव व्यंतो, दी. एन्स्ट्रेड इत्यद केंद्रीय कृषि विव्य, मुना वेंद्री, दी. एन्स्ट्रेड इत्यद केंद्रीय कृषि विव्य, मुना वेंद्रीय कृषि विव्य, मुना वेंद्रिय कृष्ण कृष्

विक्वविकालन के अधीन हैं वे संस्थान

होती में शिव्हत हामें बर्जनेत, बिहार कृषि बर्जनेत बिहार कृषि बर्जनेत स्वीर, बिहार बेटरेना, संत्रम गांचे इंग्लेच्यूट औप हेमरी टेक्नेस्टीनी पटन, होती में क्वेलेज और

तत्कालीन बुंगाल प्रोविंस में अकाल

1772-73 में लंगल प्रीविश के बढ़े दूसरों में अस्तरत से लिसून-लिम्बर अरेड चीनाम का इनकी लोगों की पूछ के कारण और करिय-करीय सभी मोडीलांग की चाल के

इतिहास : 1770 के अकाल की देन है पूसा विश्वविद्यालय

पुस्त स्थित डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय विरुवविद्यालय तिरहत-विक्रिस्ता के साथ देश में कृषि कर्ति की विरासत भी है। वर्तमान में उत्तर परिचय दिल्ली स्थित पुसा एप्रीकरण्यरत ईस्टीण्डुट भी यही थी। 1936 में इसे

सेना को भेजे जाते थे घोडे

फार्म के लिए 1795 में ली गर्ड १५०० बीघा जमीन

विदिशा सामन पुत्र में 1500 प्रायम से इनसे संख्या बड़े। 1878 संघा तमें हैं 1705 में पूर्ण के के इम्मेरिक्स नहर अग्रेस डिक्स विद्या तमें 1705 में पूर्ण के के इम्मेरिक्स नहर अग्रेस डिक्स विद्या तम्मेरिक्ट कर के प्राप्त के के इम्मेरिक्स नहर अग्रेस डिक्स सहस्त पूर्ण देश हैं पूर्ण के मीड़ के सामे के के तमें थे। उत्तर सहस्त पूर्ण राज्य के प्राप्त के स्थान के दिन में मीड़ बेक्स के के प्राप्त के सीच क्षा के सामेरिक के के प्राप्त के सीच के इस्तर कुमें राज्य के सामेरिक के सीच के सामेरिक के सीच के सामेरिक के सीच के साम कि सीच का सीच सीच क्षा मां सीच की सीच करने के साम कि सीच के सीच के सीच की सीच करने के सीच के सीच की सीच की सीच के सीच के सीच की सीच करने के सीच की सीच करने के सीच की सीच करने के सीच के सीच करने के सीच की सीच करने के सीच करने के सीच की स

1784 में हाजीपुर से सरैसा शिफ्ट हुआ घुड़साल

कार्यपुर में बिहिस पुरुष्टाच था आहे गई से बीडिंग भी तीते थी। एंडिजन, अर्थाआत मेंडे भी मा कुछे हैं। जो भी में जो भी में आप मेंडे हैं। भी में कुछे हैं। जो में कुछे हैं। जो में कुछे हैं। उनिहु में अप के विदेश जो मेंडे अर्थ में भी में कुछे हैं। उनिहु में अप के विदेश जो अर्थ की मानित में माने के प्रेम मेंडे मानाईए में अर्थ के मानाईए होता है। की प्रित्त जा अर्थ में किए जो मानाई में अर्थ के मानाईए होता है। से माने के प्रमुख जे अर्थ है। उनिह में अर्थ के मानाईए होता है। से माने के एक मानाईए हैं। से माने के एक मानाईए हैं। से माने के एक मानाईए हैं। से मानाईए मानाईए मानाईए से मानाईए हैं। से माना



रहिका-पंडौल में भी 1874 में शुरू हुई मॉडल फार्मिंग

जिंदरा सुन्नि विशेष्य हो जैंद्र पर्याणका पत्रत असून उनकी अन्यस्थन हिरोट के आसार पर तत्रकारीन उत्तर प्रदेश अस्त जामार्थाद के उत्तरहत रिकार परित्य प्रसार के उत्तरहत रिकार परित्य हो अस्य प्रसार अस्त अस्त्रियक हो उत्तरहत स्थापन के अस्त्रियक हो उत्तरहत के अस्त्रियक के स्थापन विश्व हो अस्त्र प्रसार के उत्तरमान विश्व हो अस्त्र प्रसार के उत्तरमान विश्व होत्रम, उत्तर विश्व परित्य का स्थापन के स्थापन के अस्त्र नहीं किस्ता में में अर्थ में 23 नवंत्रम को लेक्टिय कामा के सम्त्राम के अस्त्रम नहीं प्रसार के स्थापन के अस्त्रम में अस्त्रम नहीं होता हो स्थापन के अस्त्रम स्थापन के स्थापन को विश्व मान्यस्थन परित्य के समित्य के सित्र स्थापन अस्त्रम के स्थापन के स्थापन के स्थापन स्थापन स्थापन के स्थापन के स्थापन के स्थापन

कारोबारी दबात का असर

1819 में बनी कृषि और बागवानी सोसाइटीज

विश्विम स्वावस्त प्रशिक्ष कर्मण में क्रिकेट स्ववस्त्र में स्वत्र कर्मण में क्रिकेट स्ववस्त्र में मान्य क्रिकेट स्ववस्त्र में मान्य क्रिकेट स्ववस्त्र में मान्य क्रिकेट स्ववस्त्र में मान्य क्रिकेट स्ववस्त्र में क्रिकेट स्ववस्त्र में क्रिकेट स्ववस्त्र में मान्य क्रिकेट स्वत्र में मान्य क्रिकेट स्ववस्त्र में स्ववस्त्र में स्वयस्त्र मान्य क्रिकेट स्ववस्त्र में स्वयस्त्र में स्वयस्त

लार्ड कर्जन के वायसराय बनने पर हुई दोस पहल

जब 190% में लॉर्ड कर्जन को जासारा बनावा गया, जब मुख में बंद पड़े-पूर्वत कर के दिन भी पार तेजों से बदानों मार्च अपनी पूर्व मंद्रता पत्रा के द्वारों साम के दिन प्रतास के दिन में कि प्रतास कर कि दिन में कि प्रतास के दिन में के दिन में प्रतास के दिन में कि प्रतास के दिन में मुझ मार्चनीकृत को तथा कर्ता। जक ब्याई कोट काम मुझ के तकारों मुझ प्रतास की दिन में मार्चियान 1901 है. में पहले दुन्दार के पार और प्रहिम्मण बच्चा पार इसके, दने पुराल के पार में कि प्रतास के दिन में के क्या पार्ट्य के अपनी में ने 1907 में पूर्व के पार्ट्य करीन की की के काम पार्ट्य की स्वीक्षण के अपनी पूर्व के पार्ट्य कर कर करना दिना साम के स्वास वार्च और पार्ट्य की भी पहले काम करना दिना साम कि स्वास

का प्रमुख कृषि शोध केंद्र बना • सिंदर पार्टमी एसीमाजन की कार्यन में सभी संस्थान कर भीमा दिया - जार्यन निस्ता वैजनिक के संस्था उत्पन्न कार्यन के निप्ता में प्रस्त हों। • हार्यं कार्यन की पान्य लीही मिटी 1905 के आंगे में साथ प्रस्तु के पान्य लीही मिटी 1905 के आंगे में साथ प्रस्तु के पान्य में स्थाप प्रमाण करा। • किया स्थिति। निप्ता भी दी मीजिशा भागा करा। भागा के स्वरूप सी प्रश्नी निप्ता भागा समा

अहम घटनाकम पसा बिहार-बंगाल और देश

थे। • 1907-08 तक बॉटर्स, केमिस्ट्री, मयकोलीसी और पट्टेम्पेलीकी विभाग वन गर। • तुरुआती प्रस्ताव के मुतबिक बोट्स्क्यता के विप्युत में मृतावय कटिना के स्टाम प्यारी भेने

गर्। • सर्वेद, नजुर, क्लेक्ट्र और कॉमन पवित्तान के लगानुर में भी मूर्त कृति कॉलेड

कुरना था। • इत्तरित् पून को पीजी इंतरीच्युट बनाने का सुरुव 1907 में ही अत्या। पहला बैच 1908

सुद्रस्य 1907 में ही अस्त्रा। फारक मैंच 1908 09 में सुरू हुआ। इसे 1918 में इम्पेरियल एडीकट्चरल दिसर्च इंटरेन्स्ट नम दिया क्या। • फिला संबोदिती 1934 के भूकंप में उसाह हो

नमा । १७३४ के पूसर में उसक हो • अब पूज में डॉ. राजेड प्रस्तर सेंद्रीय पृष्टि विश्वतिकारण पृष्टि-कींग्र जेने पृष्टि मीन मेंग्र में मितारे हैं । • मितार की १९३५ में १८८० तम्म, बस स्मित्रण एक्टीकरणात सिन्दे हिंतीलूट समी अर्थ दिल्ली के पृष्ट में १९३५ के आत अब मान स्मा दिल्ली के पृष्ट में १९३५ के आत अब मान सा देश

भार का था।

• भूतंस के बाद इसे पूमा निषद किया गया। फिर नाम क्षेत्र में कई ग्रीध हुए।

• दोरों में 1960 के दताक में तिलूत कृषि कोलेज

ग्रील में 1960 के दशक में तिल्ला कृषि कोर्टर कुना
 मूल इंस्टीव्यूट को ही 1970 में सामेद कृषि निक्कीकारण वार्च अल्याद करवा गया।
 2016 में 7 अल्याद को केंद्र का माना में इसे नेवादी मिक्कीकारण कर जी दिला
 इसके दिला संबंद में की माना में की कानून परित मिला गया था।



अपनी उपयोगिता के कारण देहरादून को पछाड पूसा ने हासिल किया गौरव

पूसा ने हास्सिल किया गौरव वन दिने कृति शोध संस्थान के लिए साई जार सामा करते के निर्माण का स्वर्ण करना था। तिल स्वर्ण वर्ष पार्च में सामान्य और करिया सीतनी का निर्माण कर्म पार्च की सामान्य की सामान्य करना कर्म पार्च की बात सुमान्य की सामान्य और अपनी हिस्सी करिया की सामान्य की सामान्य कोई अपनी हिस्सी करिया की सामान्य की सामान्य कोई अपनी हिस्सी करिया की सामान्य की सामान्य की का अस्ति किरिया की सामान्य की सामान्य की सामान्य की सामान्य की हिस्सी की सीताना की का सामान्य की सामान्य की सीता की सामान्य के सामान्य की सामान्य की सीता की सामान्य की सामान्य की सामान्य की सीता की मितानी की की पार्च का सामान्य का सीता की भीता की सामान्य की सामान्य की सामान्य की सीता की सीतानी की सामान्य की सामान्य की सामान्य की सीता की सामान्य की सीता की की सामान्य की सीता की की सामान्य की सीता की सामान्य की सीता की सीता की सीता की सीता की सामान्य की सीता की सीता की सीता की सीता की सामान्य की सीता की सीता की सीता की सीता की सामान्य की सीता की सीत

रेफरेंस और सोर्स

कटंट : तजेश तंव

मेले थे स्थानीय मुख्य बाजार- पटना में थे 16 ऐसे थोक कारोबारी, जिनके यहां से 1860 ई. तक 3.75 लाख किलोग्राम तंबाकू का होता था निर्यात



सुअस्परकृष्ट | लंदन और पूर्णिम जर्मिको जामन तंत्र में अमरे करोभागे दिन को नावन में रख बार २५७० में देनिकी प्रमुक्ति स्वीव गुरू को थीं भी होने बाद में स्वाद की भी असान में निवाद किसान मान तेत्र में नावन हैं स्वाद की भी असान में निवाद किसान मान तेत्र में नावन में अस्त आ किसान में मान किसान मान तेत्र में मान किसान मान की मान किसान किसा

1870 की तंबाकू सुधार योजना बनी कृषि विकास कार्यक्रम का हिस्सा मुंगेर से पूसा पहुंची वर्जीनिया टोबैको, बाजार भी बढ़ा